दिनांक 12.08.2013 को माननीया मंत्री, जल संसाधन विभाग की अध्यक्षता में सम्पन्न समीक्षा बैठक की कार्यवाही।

बैठक में जल संसाधन विभाग के निम्नांकित पदाधिकारी उपस्थित हुए।

1. श्री एस० के० शतपथी
   प्रधान सचिव
2. श्री बी०सी० निगम
   विशेष सचिव
3. ई० अरूण कुमार सिंह
   अभियंता प्रमुख– I
4. ई० अशोक कुमार
   मुख्य अभियंता(मोनिटरिंग)
5. ई० विपिन कुमार सिंह
   मुख्य अभिंयता,
   जल संसाधन विभाग, राँची।
6. ई० सुरेन्द्र कुमार
   मुख्य अभिंयता,
   जल संसाधन विभाग, मेदनीनगर
7. ई० ब्रजमोहन कुमार
   मुख्य अभियंता,
   चांडिल कम्पलेक्स, आदित्यपुर, जमशेदपुर
8. ई० विवेकानन्द मिश्र
   मुख्य अभियंता
   ईचा–गालूडीह कम्पलेक्स, आदित्यपुर, जमशेदपुर
9. ई० अरविन्द कुमार
   मुख्य अभियंता,
   जल संसाधन विभाग, हजारीबाग
10. ई० सुरेश पासवान
    मुख्य अभियंता
    रूपांकण, समग्र योजना एवं जल विज्ञान, राँची।
11. ई० नीलमणि तिर्की
    मुख्य अभियंता
    अग्रिम योजना, राँची।

पदाधिकारियों के परिचय के साथ बैठक प्रारम्भ हुई।

I. **मुख्य अभियंता प्रक्षेत्र, राँची** – मुख्य अभियंता द्वारा निम्नांकित जानकारी दी गयी।

(i) **सुरंगी जलाशय योजना –**

- इसकी सिंचाई क्षमता 2600 हेक्टेयर है।
- इस वर्ष खरीफ में 1600 हे० में सिंचाई दी जा रही है।
- योजना पूर्ण हो गयी है। उद्घाटन के लिये तैयार है।

(ii) **रैसा जलाशय योजना – सिंचाई क्षमता 3140 हे०**

डैम – River Closure छोड़कर मिट्टी बाँध का निर्माण प्रगति पर है।

स्पीलवे – निर्माण कार्य प्रगति में है। लगभग ~~20%~~ 25% कार्य कराया जा चुका है।

भू–अर्जन – डूब क्षेत्र में लगभग 128 हे० खूँटकट्टी जमीन है। इस विषय संबंधित संचिका भू–राजस्व विभाग को भेजी गयी है।

पुनर्वास – डूब क्षेत्र में लगभग 50 परिवार प्रभावित हो रहे है।

(iii) **नकटी जलाशय योजना** – इस योजना की सिंचाई क्षमता 2200 हे० है। इसके कमाण्ड क्षेत्र में धान की अच्छी खेती हो रही है। योजना लगभग पूर्ण हो गया है। अगस्त माह के अंत में इसका उद्घाटन किया जा सकता है।

(iv) **सोनुआ जलाशय योजना – सिंचाई क्षमता 8000 हे०**

- डैम का कार्य पूर्ण है। दोनों नहरों का कार्य लगभग पूर्ण है, परन्तु इन नहरों के कई संरचनाओं की स्थिति अच्छी नहीं है। कई संरचना क्षतिग्रस्त है, क्योंकि निर्माण कई वर्ष पूर्व हुए हैं। इनकी मरम्मति की नितांत आवश्यकता है।
- दाँयें आउटलेट का गेट ठीक से काम नही कर रहा है।

निदेश– योजना के आउटलेट गेटों की मरम्मति का कार्य "टर्न–की" आधार पर कराया जाय। इसके लिये शीघ्र EoI आमंत्रित की जाय।

(v) **शुरू जलाशय योजना** – योजना का कार्य "टर्न–की" आधार पर पूरा कराने हेतु मई 2013 में एकरारनामा किया गया है। एजेन्सी द्वारा 20 अगस्त तक डी०पी०आर० समर्पित किया जायेगा। दूर्गापूजा के बाद कार्य प्रारम्भ होगा।

(vi) **रामरेखा जलाशय योजना** – सिंचाई क्षमता 4300 हे० है।

- डैम, स्पिलवे, आउटलेट निर्माण का कार्य पूर्ण है।
- बाँयीं मुख्य नहर का कार्य पूर्ण है।
- दाँयीं मुख्य नहर निर्माणाधीन है। कुल 642 चेन में से 221 चेन तक का कार्य पूर्ण है।
- मुख्य नहरों से निःसृत वितरणियों का भू–अर्जन कार्य धारा–4 में चल रहा है।
- वर्षात के कारण अभी कार्य बन्द है।

(vii) **अपरशंख जलाशय योजना**– सिंचाई क्षमता 7000 हे० है।

- शीर्ष कार्य पूर्ण है। आउटलेट गेटों की स्थिति अच्छी नहीं है। गेटों का मरम्मति कराकर उसे Leak proof करने और Operative बनाने के लिये कई बार EoI आमंत्रित किया गया, परन्तु किसी एजेन्सी द्वारा भाग नहीं लिया गया। इसके लिए पुनः EOI आमंत्रित करने की बात कही गयी।
- योजना का कार्य मार्च 2014 तक पूर्ण करने का कार्यक्रम है।

(viii) **काँची वीयर योजना** –

- योजना का शीर्ष कार्य क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण लगभग आठ वर्षों से इस योजना से सिंचाई बाधित था। शीर्ष कार्य का पुनर्निर्माण लगभग पूर्ण कर लिया गया है, साथ ही मुख्य नहर में लाईनिंग कार्य प्रारम्भ हो गया है।
- योजना से इस खरीफ में 12000 हे० में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। लगभग 9000 हे० में सिंचाई दी जा चुकी है।

(ix) **सुकरी जलाशय योजना** –

- सिंचाई क्षमता 400 हे०।
- यह योजना लोहरदगा जिले के किस्को प्रखण्ड में निर्माणाधीन है। River Closure छोड़कर मिट्टी बाँध निर्माण हो गया है।
- एक मात्र मुख्य नहर का कार्य प्रारम्भ हो गया है।
- योजना का कार्य मार्च 2014 तक पूरा करने का कार्यक्रम है।

(x) **तजना जलाशय योजना** –

- सिंचाई क्षमता 5600 हे०।
- योजना का कार्य "टर्न–की" आधार पर आवंटित है। कुछ लोगों द्वारा कार्यस्थल के निकट गैर कानूनी ढंग से माइनिंग किया जाता है और योजना कार्य का विरोध किया जाता है।
- उपायुक्त खुँटी से समन्वय स्थापित कर शीर्ष कार्य के भू–अर्जन हेतु मापी करायी गयी है तथा भू–अर्जन कार्य हेतु विभाग द्वारा विशेष भू–अर्जन पदाधिकारी को राशि उपलब्ध करायी गयी है।
- गैर मजरूआ जमीन में कार्य प्रारम्भ कराने हेतु उपायुक्त खुँटी से NOC प्राप्त कर, वर्षात के बाद कार्य प्रारम्भ करने की संभावना है।

(xi) **काँटी जलाशय योजना** – राँची जिले के कर्रा प्रखण्ड में प्रस्तावित इस योजना को ग्रामिणों के विरोध एवं असहमति के कारण बंद कर दिया गया है। भुगतान हेतु संवेदक के द्वारा किये गये दावे पर विभागीय CSG की बैठक में विचार किया जायेगा।

(xii) **कोकरो सिंचाई योजना** –

- योजना के मुख्य नहर का लाईनिंग कार्य कराया जा रहा है।
- खुदाडीह शाखा नहर एवं सोनाहातू वितरणी का लाईनिंग कार्य आवंटित कर दिया गया है। वर्षात के बाद कार्य प्रारम्भ होगा।

(xiii) **सिंचाई कार्य** – मुख्य अभियंता, जल संसाधन विभाग, राँची के प्रक्षेत्राधीन योजनाओं से 2013 के खरीफ में लगभग 55000हे० में सिंचाई उपलब्ध कराने का लक्ष्य है जिसके विरूद्ध अब तक 15000 हे० में सिंचाई उपलब्ध करायी गयी है।

(xiv) **डोरण्डा स्थित सिंचाई कार्यालय भवन का निर्माण** – कार्यालय भवन का निर्माण कार्य प्रारम्भ हो गया है। कार्य तेजी से कराया जा रहा है।

(xv) **धुर्वा स्थित कॉलनी में सिंचाई भवन का निर्माण कार्य** –

- बाउण्ड्री वाल का निर्माण प्रारम्भ हो गया है।
- वाल्मी एवं सिंचाई भवन निर्माण का डी०पी०आर० तैयार किया जा रहा है।

- वाल्मी के लिये प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त की जानी है।

निदेश – समयवद्ध ढंग से कार्य कराया जाय।

(xvi) विशेश भू–अर्जन पदाधिकारी श्री महतो, राँची कार्यालयं का कार्य महीने में 15 दिन अवश्य निष्पादित करेंगे।

II. मुख्य अभियंता, जल संसाधन विभाग, हजारीबाग प्रक्षेत्र

(i) कोनार सिंचाई परियोजना –

- इस योजना का डैम DVC के द्वारा पूर्व से निर्मित है।
- योजना के नहर एवं वितरण प्रणाली का निर्माण विभाग द्वारा कराया जा रहा है।
- काफी लम्बी अवधि के बाद योजना के मुख्य नहर में अवशेष टनेल एवं अवयवों का निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया है।
- नहरों का लगभग 75% कार्य कराया जा चुका है।

निदेश – स्थानीय लोगों के द्वारा किसी तरह के व्यवधान से निपटने के लिये पुलिस प्रशासन की मदद ली जाय।

इस योजना से हजारीबाग जिले में 4765 हे०, गिरिडीह जिले में 50365 हे० एवं बोकारो जिले में 7826 हे० में सिंचाई सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी।

(ii) पंचखेरो जलाशय योजना – सिंचाई क्षमता 3000 हे०

स्पीलवे एवं आउटलेट का कार्य पूर्ण हो गया है।

डैम– मिट्टी बाँध का कार्य पूर्ण है। रिप–रैप का 5% कार्य शेष है, जो प्रगति में है।

दाँयीं मुख्य नहर – इसका कार्य लगभग पूर्ण। इससे पानी दिया जा सकता है।

बाँयीं मुख्य नहर – बाँयीं मुख्य नहर का कार्य प्रगति में है। नहर के शुरूआत में एक्वाडक्ट का निर्माण प्रगति में है। एक्वाडक्ट के निर्माण के पश्चात् नहर में पानी छोड़ा जा सकता है।

- योजना का कार्य मार्च 2014 तक पूर्ण करने का कार्यक्रम है।
- वितरण प्रणाली का भू–अर्जन प्रक्रियाधीन है। नवाडीह ग्राम का खतियान उपलब्ध नहीं होने के कारण भू–अर्जन प्रक्रिया बाधित है।

(ii) केशो जलाशय योजना – योजना की सिंचाई क्षमता 3560 हे०।

- योजना के पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।
- योजना के रैयतों द्वारा भू–मुआवजा के संबंध में माननीय उच्च न्यायलय में याचिका दायर की गयी है जो सुनवाई के क्रम में है।

(iii) भैरवा जलाशय योजना – सिंचाई क्षमता 4800हे०।

- योजना का पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

- योजना का कार्य टर्न–की पर आवंटित है।
- River Closure छोड़कर डैम का कार्य पूर्ण है।
- स्पिलवे एवं आउटलेट का कार्य पूर्ण है।
- मुख्य नहरों एवं वितरण प्रणाली का कार्य शेष है।

(v) **<u>गरही जलाशय योजना</u>** –गरही जलाशय का निर्माण, NTPC द्वारा चतरा जिले में निर्माणाधीन नार्थ कर्णपुरा पावर प्लान्ट को जलापूर्त्ति हेतु किया जाना है।

NTPC द्वारा Balance कार्य हेतु राशि उपलब्ध कराने का सहमति दिया गया है।

<u>सुवर्णरेखा परियोजना</u>

III. <u>मुख्य अभियंता, चांडिल कम्पलेक्स, आदित्यपुर, जमशेदपुर</u>

- परियोजना के पूर्ण होने पर 2,36,000 हे० में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी इसमें से उड़ीसा राज्य को 90,000 हे० एवं पश्चिम बंगाल को 5000 हे० में सिंचाई की ज़ा सकेगी।
- वर्ष 2013–14 हेतु **रू० 463 करोड़ का वार्षिक कार्यक्रम** है। अबतक **रू० 51.43 करोड़** का व्यय हुआ है।
- चांडिल बांयी मुख्य नहर के 113 कि0मी0 तक कार्य पूर्ण है तथा वहाँ तक पानी जा रहा है। कि0मी0 113 पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण रेलवे द्वारा कार्य प्रारंभ किया गया हैं।
- कि0मी0 113 से आगे भी वितरणी का आंशिक कार्य हुआ है। बांयी मुख्य नहर में कुल 66 वितरणी है, जिसमें मात्र 3 का निविदा करना शेष है। अन्य में कार्य प्रगति पर है।
- योजना से इस वर्ष कुल 20,000 हे० सिंचाई का लक्ष्य रखा गया है, जिसके विरूद्ध 4500 हे० की उपलब्धि प्राप्त हो गयी है। गालूडीह दांयी मुख्य नहर के Direct Outlet से 5000 हे० में सिंचाई दी जायेगी।

IV. <u>मुख्य अभियंता, ईचा–गालूडीह कम्पलेक्स, आदित्यपुर, जमशेदपुर</u>

- इस परिक्षेत्राधीन **ईचा डैम, खरकई बराज** एवं इसके पूरे System का कार्यक्षेत्र है।
- वर्ष 2013–14 के लिये रू० 597.00 करोड़ का वार्षिक कार्यक्रम है। वर्ष 2013–14 में अबतक रू० 21.68 करोड़ का व्यय हो चुका है।

(क) **खरकई बराज**

- खरकई बराज निर्माण के लिये L&T कम्पनी चेन्नई को कार्य आवंटित कर दिया गया है। जिसकी एकरारित राशि रू० 257.98 करोड़ है।
- खरकई बराज का दांयी मुख्य नहर के 0.00 से 12.22 कि0मी0 का मिट्टी एवं लाइनिंग कार्य प्रारंभ हो गया है। कि0मी0 17.22 से 29.83 तक Lining कार्य हो रहा है।

- खरकई बराज के दांयी मुख्य नहर की कुल सिंचाई क्षमता 15,400 हे० है।

(ख) ईचा बाँध

- ईचा बांध योजना के भू–अर्जन हेतु झारखण्ड राज्य के कुल 87 ग्राम में भू–अर्जन किया जाना है, जिसमें से 44 ग्राम में भू–अर्जन पूर्ण हो गया है। 32 ग्राम में अभी भू–अर्जन प्रारंभ नहीं हुआ है। उड़ीसा राज्य का 26 ग्राम इन क्षेत्र में आता है। जिसके लिए भू–अर्जन की कार्रवाई उड़ीसा सरकार द्वारा किया जा रहा है।

V. बाढ़ नियंत्रण कार्य

- साहेबगंज जिले के अन्तर्गत गंगा नदी के जलस्तर बढ़ने से बाढ़ के कारण ग्राम शोभापुर के पास कटाव हुआ है तथा और कटाव का खतरा बना हुआ है।

निदेशः– कटाव को रोकने हेतु बाढ़ संघर्षात्मक कार्य तुरन्त कराने का निदेश दिया गया तथा स्थाई समाधान करने का निदेश दिया गया ।

VI. मुख्य अभियंता, जल संसाधन विभाग, देवघर

(i) अजय बराज योजना –

बराज निर्माण कार्य पूर्ण है। मुख्य नहरों का निर्माण कार्य पूर्ण है। योजना के कमीशनींग हेतु नहरों का आवश्यक मरम्मति कार्य कराया जा रहा है।

योजना का उद्घाटन हो चुका है।

योजना से 40,000 हे० में सिंचाई दी जा रही है।

(ii) पुनासी जलाशय योजना – सिंचाई क्षमता खरीफ 15,000 हे०, रब्बी 9000 हे०

डैम – River Closure छोड़कर मिट्टी बांध का निर्माण कार्य पूर्ण है।

स्पीलवे – निर्माण क्षेत्र में कुछ वनभूमि शामिल है, जिसमें कार्य नहीं हो रहा है। गैर वनभूमि क्षेत्र में निर्माण कार्य हो रहा है।

मुख्य नहर – मुख्य नहर का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

(ii) गुमानी बराज योजना – सिंचाई क्षमता – 1619 हे० योजना का कार्य पूर्ण है। बराज के अपस्ट्रोम में रूपांकित स्तर तक पानी का लेवल होने पर बगल के खेतो में पानी जा सकता है। परन्तु ग्रामिणों द्वारा जमीन अधिग्रहण का विरोध करने के कारण एफलक्स बाँध–निर्माण का कार्यन्वयन नहीं प्रारम्भ किया जा सका है। विभागीय CSG की बैठक में इस पर विस्तृत विचार किया जायेगा।

(iv) **बट्टेश्वर स्थान गंगा नहर योजना** – ~~योजना की सिंचाई क्षमता 5 लाख हे० है।~~ योजना का शीर्ष कार्य बिहार राज्य में है। योजना का वितरण प्रणाली बिहार एवं झारखण्ड दोनों राज्य में है। झारखण्ड राज्य को इससे 4887 हे० में सिंचाई उपलब्ध होगी।

(v) **बुढ़ई जलाशय योजना** – देवघर जिले की इस वृहत् योजना के DPR तैयार करने की कार्रवाई की गयी हैं।

VII. मुख्य अभियंता, जल संसाधन विभाग, मेदिनीनगर

(i) **डोमनीनाला/बराज योजना** – सिंचाई क्षमता 2156 हे० इस योजना के निर्माण कार्य हेतु प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हो गयी है। "टर्न–की" आधार पर इसका निर्माण कराने हेतु निविदा आमंत्रण की कार्रवाई की जा रही है।

(ii) **दानरों बीयर/चेक डैम योजना** – योजना से पेयजल आपूर्त्ति एवं 50 हे० सिंचाई प्रावधान है। इस योजना कार्य की निविदा प्राप्त हो चुकी है, जो मुख्य अभियंता, मेदिनीनगर द्वारा निष्पादन के क्रम में है।

(iii) **बटाने जलाशय योजना** – पूर्ण सिचांई क्षमता 12,136 हे० है। झारखण्ड को इससे 1406 हे० में सिंचाई उपलब्ध होगा ।

- ❖ बांयी मुख्य नहर का कार्य पूर्ण है इससे झारखण्ड में 700 हे० में सिंचाई हो रही है।
- ❖ दांयी मुख्य नहर का 90% कार्य पूर्ण तथा मार्च 2014 तक इसे पूरा करने का लक्ष्य है।
- ❖ पुनर्वास की समस्या का समाधान हेतु प्रयास किया जा रहा है। पुनर्वास स्थल के विकास के लिये रू० 3.74 करोड़ का कार्यक्रम वर्ष 2013–14 के लिये प्रस्तावित है।

(iv) **अमानत बराज योजना** –

- ❖ बराज का निर्माण हो चुका है।
- ❖ मुख्य नहर का 40% कार्य हुआ है।
- ❖ वितरणी प्रणाली का 20% कार्य हुआ है।
- ❖ बराज के अपस्ट्रीम में एफलक्स बाँध निर्माण में उत्पन्न समस्या के समाधान हेतु मुख्यालय स्तर पर कार्रवाई की जा रही है।

(v) **नार्थ कोयल परियोजना** –

मंडल डैम – योजना में बेतला टाइगर रिजर्व की भूमि–डूब क्षेत्र में शामिल है। बन भूमि अपयोजना कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

मोहम्मदगंज बराज – बराज के 17 अदद डेक स्लैब के अवशेष निर्माण हेतु निविदा प्राप्त हो गयी है। दांयी मुख्य नहर का कार्य पूर्ण एवं इससे झारखण्ड के 6000 हे० में सिंचाई हो रही है।

(vi) **मलय जलाशय योजना** – सिंचाई क्षमता – 7850 हे०

इसके ई० आर० एम० कार्य की प्रशासनिक स्वीकृति रू० 771.66 लाख के लिये प्रदान की गयी है। कार्य की निविदा प्राप्त हो गयी हैं। विभागीय निविदा समिति द्वारा निष्पादन की प्रक्रिया में।

(बी० सी० निगम)
विशेष सचिव

पत्रांक–..... **/राँची, दिनांक**–.....

प्रतिलिपिः– 1. अभियंता प्रमुख–I एवं II, जल संसाधन विभाग, राँची
2. मुख्य अभियंता, जल संसाधन विभाग, राँची/हजारीबाग/देवघर/मेदिनीनगर/चांडिल कम्पलेक्स, आदित्यपुर, जमशेदपुर/ईचा–गालूडीह कम्पलेक्स, आदित्यपुर, जमशेदपुर/रूपांकण समग्र योजना एवं जल विज्ञान, राँची/अग्रिम योजना, राँची/मुख्य अभियंता (मो०), राँची
3. अधीक्षण अभियंता, योजना एवं मोनिटरिंग अंचल–1,2 एंव 3, राँची को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

(बी० सी० निगम)
विशेष सचिव

पत्रांक–..... **/राँची, दिनांक**–.....

प्रतिलिपिः– माननीय मंत्री, जल संसाधन विभाग, झारखण्ड के आप्त सचिव/प्रधान सचिव के सचिव/विशेष सचिव के निजी सहायक, जल संसाधन विभाग, राँची को सूचनार्थ प्रेषित।

(बी० सी० निगम)
विशेष सचिव

पत्रांक–2/PMC/ 4205-230/13-765 **/राँची, दिनांक**–3.9.2013

प्रतिलिपिः– वेब मैनेजर, वेब–साईट, जल संसाधन विभाग, राँची को सूचनार्थ एवं विभागीय वेब–साईट पर अपलोड करने हेतु प्रेषित।

(बी० सी० निगम)
विशेष सचिव